कोरुगेटेड बोकस के उत्पाद खर्च में 70 प्रतिशत कि बढोतरी हुए

(प्रतिनिधि)वडोदरा.दि.6

पीछले कई माह में उत्पाद खर्च में तीव्र बढोतरी होने से एवं दुसरा कच्ची सामान के जथ्थो कम होने से भारत ने कोरुगेटेड बोकस उद्योग कटोकटी में आ गया है। उसकी मुख्य कच्चे सामान में क्राफट पेपर है सिर्फ पेपर के दाम बढने के कारण कोरुगेटेड बोकस उद्योग का उत्पाद खर्ष 70 प्रतिशत बढ गय है। क्राफट पेपर मिल सप्लाय कि और आयाती एवं स्थानिक वेस्ट पेपर कि बढते हुए दर, कोरोना लोकडाउन एवं आंतरराष्ट्रीय लोजीस्ट्रीकस मुश्कील के कारण उपलभ्याता कम होने के कारण दिखाते है सामने मांग कि आर देखे तो मिल चीन की रीसाइकल्स क्राफट पेपर पल्स रोल्स के रुम में क्राफट पेपर निकास करने का सुनहरा मौके का लाभ ले रहे है 1 जनवरी 2021 से वेस्ट पेपर्स के साथ हरेक सोलीड वेस्ट कि आयात प्रतिबंध के कारण चीन कि मिलो का सामना कर रहे है इन्डियन कोरुगेटेड केस मेन्युफेकचरर्स असोसीएशन (इकमा) के प्रमुख संदीप वाधवा ने कहा कि मांग के समय से एवं चीन मां आकर्षक दर के कारण भारतीय क्राफट पेपर का उत्पाद स्थानिक बाजार के बदले दुसरी और स्थणांतर हो रहा है जिससे फिनिश्ड पेपर एवं रीसाइकल्ड फाइबर के दर ज्यादा है भरतीय क्राफट पेपर मिल द्वारा रीसाइकल्ड क्राफट पेपर रोल्स कि निकास इस साल 20 लाख टन से ज्यादा होने जा रही है भारत के कुल स्थानिक क्राफट पेपर उत्पाद के 20 प्रतिशत जितना है 2018 से पहले शून्य निकास थी जिसकि वजह से यह सप्लाय साइड डायनेमीकस गेइम चेन्जर बन गई है। क्राफट पेपर कि कोस्ट कि बढोतरी के अलावा हरेक अन्य इनपुटस जैसे कि मानव बल खर्च, स्टार्च, फ्रेइट एवं अन्य ओवरहेडस भी पीछले कई साल में 60 से 70 प्रतिशत बढ गये है। इकमा के उप प्रमुख हरीश मदने कहा कि यह पर्यावरण प्रेमी उद्योग है जो सालाना 75 लाख मेट्रिक टन रीसाइकल्ड क्राफट पेपर का उपयोग करता है एवं 100 प्रतिशत रीसाइकलेबल कोरुगेटेड बोकस का निर्माण करता है इसके बाजार का कद रु.27000 करोड का है यह उद्योग में 6 लाख से भी ज्यादा रोजगार मिल रहा है। इकमा के अेमिरेटस प्रेसिडेन्ट किरीट मोदीने कहा कि भारत के कोरुगेटेड बोकस उद्योग में 350 से ज्यादा ओटोमेटिक कोरुगेटर है एवं 10000 से ज्यादा सेमि ओटोमेटिक अकम है बडे पैमाने पर एमएसएमइ क्षेत्र है।